Hindi Literature

Std VIII

एक देवांगना - चंद्रा

[शिवानी]

लेखिका के बँगले के अहाते से जुड़ी एक में कोठी में उन्होंने एक गाड़ी देखी उसमें से एक प्रौढ़ा को उतरते देखा जिसने पिछली सीट से एक 'व्हील चेयर' निकाल कर सामने रख दिया और अन्दर चली गई। लेखिका ने देखा एक युवती बैसाखियों के सहारे व्हील चेयर तक पहुँच कर बैठ गई। धीरे-धीरे उनसे परिचय बढ़ा तथा उनके संघर्ष-पूर्ण जीवन से वो परिचित हुई। जिन्दगी के इस स्थान तक पहुँचने में उनकी माँ का बहुत बड़ा योगदान था। इसके साथ ही स्वयं चंद्रा की इच्छाशक्ति थी। वैसे तो भाग्य ने उनका साथ वैसा नहीं दिया जैसा और अन्य के साथ देता है। इसके लिए उन्होंने कभी विधाता को नहीं कोसा बल्कि अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए धैर्य पूर्वक लड़ाई लड़ती रही। लेखिका को वो किसी देवांगना से कम नहीं लगी।

इसके विपरीत लेखिका ने उस होनहार युवक का भी जिक्र किया जो आई० ए० एस० की परीक्षा देने इलाहाबाद गया था लौटते समय किसी स्टेशन पर चाय लेने उतरा तब-तक गाड़ी चल पड़ी। चलती ट्रेन में हाथ के कुल्हड़ सहित चढ़ने के प्रयास में और पहिए के नीचे उसका हाथ पड़ गया। वह बच गया परन्तु दायाँ हाथ खोने के कारण मानसिक संतुलन खो बैठा उसके बाद नशे की गोलियों का अभ्यस्त हो गया और अपना जीवन नष्ट कर लिया केवल एक हाथ खोने पर। इधर चंद्रा ने; जिसका निचला धड़ निष्प्राण था

Scanned with CamScanner

उसके अदम्य उत्साह और साहस, जीने की तीव्र इच्छा और महत्वाकांक्षा ने उसे कुछ खास (विशेष) बना दिया। लोगों के लिए एक प्रेरणा बन गई। उन्होंने न सिर्फ प्राणीशास्त्र में एम० एस० सी० किया वरन प्रथम स्थान भी प्राप्त किया। उन्होंने प्रोफेसर सेठना के निर्देशन में पाँच वर्ष तक शोधकार्य किया। शोध के पश्चात उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त की।

वैसे तो उनकी इच्छा डॉक्टर बनने की थी। परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर भी उन्हें इसलिए दाखिला नहीं मिला, क्योंकि वे शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं थी।

चंद्रा ने अपने अलबम के अंतिम पृष्ठ पर उसकी जननी का बड़ा-सा चित्र लगा रखा था जिसमें उन्हें जे० सी० बंगलौर द्वारा प्रदत्त एक विशिष्ट पुरस्कार ग्रहण करते दिखाया गया - वो विशिष्ट पुरस्कार है 'वीर जननी' का।

लेखिका को डॉ० चन्द्रा की माँ शारदा सुब्रह्मण्यम् के शब्द आज भी गूँजते हैं, "ईश्वर सब दरवाजे एक साथ बंद नहीं करता। यदि एक दरवाजा बंद करता भी है, तो दूसरा खोल भी देता है।"

प्रश्न :—

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखें।

लिखित 2. क) वस्तुनिष्ठात्मक प्रश्न

(i) से (v) तक

ख) दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न -

(i) से (iii) तक

3. आशय स्पष्ट कीजिए

(i) और (ii)।

[(Language)]

1. जो वाक्यांश अपना सामान्य अर्थ छोड़कर विशिष्ट अर्थ प्रकट करता है उसे "मुहावरा" कहते हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न - गृहकार्य

"1 से 30" तक मुहावरा तथा उसके अर्थ सीख कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

ii. संज्ञा के बदले में आने वाले शब्द को सर्वनाम कहते हैं। इसके भेद तथा परिभाषा उदाहरण के साथ पुस्तक के सहयोग से पुनरावृति कर उत्तर पुस्तिका में लिखें।

iii) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 1 — 25 तक याद कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए।

Scanned with CamScanner